खबर संक्षेप

तीन लापता नाबालिगों को चंगुल से छुड़ाया, इलाके में हडक़ंप

छापेमारी और घेराबंदी से मिली कामयाबी

जैतपुर। मासूम बच्चियों पर बुरी नजर रखने वाले सावधान हो जाएं! जैतपुर पुलिस ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी का लोहा मनवाते हुए तीन नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित दस्तयाब करने में बड़ी सफलता हासिल की है। मार्च महीने में अलग-अलग तारीखों (2 और 21 मार्च) को क्षेत्र से तीन ना बा लि ग ल ड़ कि यां अचानक गायब हो गई थीं। परिजनों ने अज्ञात दरिंदों द्वारा बहला-फुसलाकर अपहरण किए जाने का अंदेशा जताया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जैतपुर पुलिस ने इसे चुनौती के रूप में लिया। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीम ने जाल बिछाया और मुखबिरों को सक्रिय किया। 24 घंटे के भीतर आक्रामक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 22 मार्च को तीनों बालिकाओं को सुरक्षित बरामद कर लिया। इस बड़ी कामयाबी में सउनि सूर्यप्रताप सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक सुभाष महोबिया, मोहम्मद जाहिद खान, आरक्षक विजय सिंह और महिला आरक्षक मालती पटेल की नजरों ने अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पुलिस की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से जहां परिजनों के आंसू खुशी में बदल गए हैं, वहीं इलाके के असामाजिक तत्वों में खौफ का माहौल है।

पानी की हर बूंद की रक्षा, भविष्य की सुरक्षा

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में जिले के समस्त जनपद पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले के हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जल को संरक्षित करने एवं आने वाली पीढिय़ो के सुरक्षित भविष्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहें है, जल गंगा संवर्धन अभियान अब जनांदोलन बन रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन अभियान परिषद के नवांकुर संस्था श्री बजरंग ग्राम विकास समिति चंनौडी सेक्टर क्रमांक (05) विकास खण्ड बुढार के ग्राम चंनौडी में समिति द्वारा जल संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जल संगोष्ठी कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के सदस्यो द्वारा लोगो को जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल का महत्व बताया गया एवं चंनौड़ी तालाब की साफ-सफाई कार्य में श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

सीनियर सिटीजन एसोसिएशन की बैठक संपन्न, नेत्र शिविर की समीक्षा

शहडोल। सीनियर सिटीजन एसोसिएशन की मासिक बैठक बी.एस. मंत्री की अध्यक्षता में होटल लेविस्टा इन में 22 मार्च को आयोजित की गई। बैठक में दिसंबर माह में ग्राम बरछा में आयोजित नेत्र शिविर की विस्तृत समीक्षा की गई। शिविर के दौरान गांव के दो जन्म से दृष्टिहीन बच्चों का सफल ऑपरेशन शहडोल में नेत्र विशेषज्ञों द्वारा कराया गया। ईश्वर की कृपा से दोनों बच्चों के ऑपरेशन सफल रहे और उनकी एक-एक आंख में रोशनी लौट आई, जिससे परिवारों में खुशी का माहौल है।

वर्षों की लापरवाही उजागर

शहडोल में 4309 सरकारी कनेक्शनों पर 19.77 करोड़ का बिजली बकाया

शहडोल। सरकारी विभागों पर बिजली बिलों का बकाया अब गंभीर वित्तीय संकट का रूप ले चुका है। ताजा सूची के अनुसार 4309 कनेक्शनों पर कुल 19 करोड़ 77 लाख 07 हजार 900 रुपये लंबित हैं, जिनमें अधिकांश राशि वर्षों से जमा एरियर की है। यह स्थिति न केवल वित्तीय अनुशासन पर सवाल उठाती है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही को भी कठघरे में खड़ा करती है। जिले में सरकारी विभागों द्वारा बिजली बिलों के भुगतान में बरती जा रही लापरवाही अब चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। हाल ही में सामने आई विस्तृत सूची के अनुसार जिले के 4309 सरकारी कनेक्शनों पर कुल 19 करोड़ 77 लाख 07 हजार 900 रुपये का बकाया दर्ज है। इसमें 2 करोड़ 94 लाख 60 हजार 016 रुपये वर्तमान बिल तथा 16 करोड़ 34 लाख 47 हजार 470 रुपये पुराना बकाया (एरियर) शामिल है। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या नई नहीं, बल्कि वर्षों से लगातार बढ़ती चली आ रही है। सूची के अनुसार ग्राम पंचायत विभाग सबसे बड़ा बकायेदार बनकर सामने आया है। जिले की 1204 पंचायतों के कनेक्शनों पर कुल 7 करोड़ 80 लाख 59 हजार 629 रुपये बकाया है, जिसमें 1 करोड़ 4 लाख 97 हजार 203 रुपये वर्तमान बिल और 6 करोड़ 55 लाख 70 हजार 012 रुपये एरियर शामिल हैं। यह अकेले कुल बकाया का बड़ा हिस्सा है और ग्रामीण स्तर पर वित्तीय प्रबंधन की स्थिति को उजागर करता है।

दूसरे सबसे बड़े कर्जदार

दूसरे स्थान पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग है, जिसके 971 कनेक्शनों पर 2 करोड़ 06 लाख 57 हजार 346 रुपये बकाया है। इसमें 28 लाख 37 हजार 442 रुपये वर्तमान बिल और 1 करोड़ 74 लाख 03 हजार 545 रुपये एरियर शामिल है। तीसरे प्रमुख बकायेदार के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग सामने आया है, जहां 695 कनेक्शनों पर 1 करोड़ 04 लाख 34 हजार 867 रुपये बकाया है, जिसमें 6 लाख 71 हजार 740 रुपये वर्तमान और 94 लाख 83 हजार 173 रुपये एरियर हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भी बड़े बकायेदारों में शामिल है। इसके 275 कनेक्शनों पर 5 करोड़ 66 लाख 28 हजार 397 रुपये बकाया है, जिसमें 47 लाख 39 हजार 010 रुपये वर्तमान और 5 करोड़ 03 लाख 86 हजार 277 रुपये एरियर है। यह विभाग दूसरे सबसे बड़े कर्जदारों में गिना जा रहा है।

इन पर भी है लाखों का बकाया

अन्य प्रमुख विभागों की बात करें तो लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के 181 कनेक्शनों पर 72 लाख 27 हजार 815 रुपये (13.21 लाख वर्तमान, 57.28 लाख एरियर), नगर परिषद के 150 कनेक्शनों पर 63 लाख 16 हजार 020 रुपये (47.05 लाख वर्तमान, 15.66 लाख एरियर) तथा स्कूल शिक्षा विभाग के 219 कनेक्शनों पर 26 लाख 20 हजार 372 रुपये (3.83 लाख वर्तमान, 21.15 लाख एरियर) बकाया है। मध्यम श्रेणी के बकायेदारों में वन विभाग (48 कनेक्शन) पर 13 लाख 08 हजार 564 रुपये, बीएसएनएल (46 कनेक्शन) पर 14 लाख 35 हजार 996 रुपये, राजस्व विभाग (32 कनेक्शन) पर 17 लाख 53 हजार 526 रुपये, उच्च शिक्षा विभाग (29 कनेक्शन) पर 15 लाख 92 हजार रुपये तथा गृह विभाग (85 कनेक्शन) पर 13 लाख 38 हजार रुपये का बकाया दर्ज है।

छोटे बकायेदारों में तकनीकी शिक्षा

इसके अलावा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग (28 कनेक्शन) पर 4 लाख 58 हजार 517 रुपये, वित्त विभाग (28 कनेक्शन) पर 3 लाख 67 हजार 112 रुपये, सहकारिता विभाग (26 कनेक्शन) पर 6 लाख 20 हजार 142 रुपये, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग (23 कनेक्शन) पर 5 लाख 93 हजार 607 रुपये तथा लोक निर्माण विभाग (21 कनेक्शन) पर 5 लाख 80 हजार 973 रुपये बकाया है। अन्य विभागों में जल संसाधन विभाग पर 5 लाख 66 हजार 162 रुपये, रेलवे (14 कनेक्शन) पर 7 लाख 81 हजार 067 रुपये, आयुष विभाग (17 कनेक्शन) पर 5 लाख 80 हजार 711 रुपये, सामान्य प्रशासन विभाग (12 कनेक्शन) पर 3 लाख 97 हजार 801 रुपये तथा जनसंपर्क विभाग (9 कनेक्शन) पर 8 लाख 91 हजार 739 रुपये बकाया दर्ज किया गया है। छोटे बकायेदारों में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग (2 लाख 83 हजार 714 रुपये), केंद्रीय शासन कार्यालय (2 लाख 08 हजार 535 रुपये), खेल एवं युवा कल्याण विभाग (70 हजार 903 रुपये), दूरसंचार कंपनी (79 हजार 073 रुपये) तथा पैरेंट एंड टेलीग्राफ (26 हजार 950 रुपये) शामिल हैं।

विकास कार्यों की गति प्रभावित

सबसे कम बकाया वाले विभागों में ऊर्जा विभाग अन्य (1 कनेक्शन) पर 3 हजार 077 रुपये, खनिज साधन (1 कनेक्शन) पर 3 हजार 028 रुपये, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण (1 कनेक्शन) पर 2 हजार 736 रुपये तथा योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग (1 कनेक्शन) पर 4 हजार 535 रुपये बकाया है। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो कुल 19.77 करोड़ के बकाया में से लगभग 82 प्रतिशत यानी 16.34 करोड़ रुपये पुराना बकाया है, जबकि वर्तमान बिल मात्र 2.94 करोड़ रुपये है। यह दर्शाता है कि विभागों द्वारा वर्षों से भुगतान नहीं किया गया और एरियर लगातार बढ़ता गया। स्थिति का विश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है कि विभागों ने बिजली खपत तो जारी रखी, लेकिन भुगतान के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई। कई मामलों में फाइलों का लंबित रहना, बजट आवंटन में देरी और प्रशासनिक उदासीनता को इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है। इसका सीधा असर छोटे ठेकेदारों और सेवा प्रदाताओं पर पड़ रहा है, जिनका भुगतान अटका हुआ है। यदि समय रहते इस पर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो विकास कार्यों की गति प्रभावित हो सकती है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस 19 करोड़ से अधिक के बकाया की वसूली के लिए ठोस रणनीति अपनाएगा या फिर यह आंकड़े आने वाले समय में और भी बढ़ते जाएंगे। फिलहाल, यह आंकड़े साफ तौर पर दर्शाते हैं कि सरकारी तंत्र खुद ही बकाया के बोझ तले दबा हुआ है।

18 वर्षों की सेवा के बाद देवीदीन हुए सेवानिवृत्त

शहडोल। जिले के विकास खंड ब्यौहारी अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पथरेही के प्रभारी प्राचार्य देवीदीन प्रजापति के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राधा कृष्ण मंगलानी, मुख्य लिपिक शिव कुमार गुप्ता सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने श्री प्रजापति के 18 वर्षों के समर्पित सेवाकाल को याद करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में विद्यालय के शैक्षणिक स्तर को ऊंचाई देने के साथ-साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सरल स्वभाव को हमेशा याद किया जाएगा। जिला शिक्षा कार्यालय से संजीव भटनागर एवं रमाकांत मिश्रा (प्राचार्य, खैरहा) सहित अन्य अधिकारियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से श्री प्रजापति को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और भावभीनी विदाई दी गई।

विधायक से मिले मिनी ब्राजील के फुटबाल खिलाड़ी एवं कोच

मिनी ब्राजील ग्राम विचारपुर में बनेगा फुटबाल स्टेडियम

शहडोल। विधायक विधानसभा क्षेत्र जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह के निवास पहुंचकर मिनी ब्राजील ग्राम विचारपुर के फुटबाल खिलाडिय़ो एवं कोचो ने मुलाकात कर ग्राम विचारपुर में 5.10 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाले फुटबाल स्टेडियम हेतु आभार जताया। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाडिय़ो की प्रतिभा निखारने के लिए संकल्पित है। ग्राम विचारपुर में फुटबाल स्टेडियम बनने से यहां के फुटबॉल खिलाडिय़ों को अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि विचारपुर के खिलाडिय़ों के जुनून, हुनर और फुटबॉल के प्रति समर्पण से ही मिनी ब्राजील के नाम से अपनी पहचान देश एवं विदेश में बनाई है, जो शहडोल जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने खिलाडिय़ो एवं कोचो को उज्जवल भविष्य की कॉमना कर बधाई भी दी। सहायक संचालक खेल एवं फुटबॉल कोच रईस अहमद ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं कल्याण युवा विभाग के द्वारा मिनी ब्राजील में फुटबॉल स्टेडियम हेतु 5.10 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृति मिली है। उन्होंने बताया कि इस राशि से फुटबाल मैदान, बाउण्ड्रीबॉल, चेंजिग रूम, आफिशियल रूम, पवेलियन निर्माण जैसे अन्य कार्यों का विस्तार किया जाएगा। इस अवसर पर कोच अजय सोंधिया, अनिल सिंह, कुमारी यशोदा सिंह, लक्ष्मी सहीस, सीताराम सहिस शंकर दाहिया, नरेश कुंडे, निलेंद्र कुंडे, रहीम खान, सूरज सिंह, शैलेंद्र सिंह, पारस सिंह एवं ग्रामवासी मौजूद रहें।

तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, चालकों पर प्रकरण दर्ज

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में खनिज विभाग की टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। प्रभारी खनि निरीक्षक समयलाल गुप्ता के नेतृत्व में ब्यौहारी तहसील अंतर्गत क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया गया, जहां अवैध गतिविधियों की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। जांच के दौरान दोपहर लगभग 3 बजे ग्राम देवगांव, तहसील ब्यौहारी में तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर जांच की गई। जांच में पाया गया कि इन वाहनों द्वारा खनिज मिट्टी/मुरम का परिवहन किया जा रहा था, लेकिन संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके बाद टीम ने तीनों वाहनों को जब्त कर लिया। जब्त किए गए वाहनों में पावर ट्रैक 439 डीएस बिना नंबर नीले रंग का, आयशर 368 बिना नंबर नीले रंग का तथा आयशर 548 बिना नंबर नीले रंग का शामिल हैं। वाहन खनिज विभाग द्वारा संबंधित वाहन चालकों के नाम क्रमशः राजभान सिंह निवासी ग्राम गुरा तहसील जयसिंहनगर, टिप्पू कोल निवासी भोगिया वार्ड क्रमांक 05 ब्यौहारी तथा धर्मेंद्र कोल निवासी भोगिया वार्ड क्रमांक 05 ब्यौहारी बताए गए हैं।कार्रवाई के दौरान खनिज सामग्री सहित वाहनों को जब्त कर शासकीय अभिरक्षा में थाना ब्यौहारी में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। वहीं वाहन मालिकों के नाम क्रमशः वीरेंद्र वर्मा निवासी तेंदुआ, विजय शंकर चतुर्वेदी एवं सत्यभान चतुर्वेदी निवासी देवगांव, तहसील ब्यौहारी बताए गए हैं। खनिज विभाग द्वारा संबंधित वाहन चालकों एवं मालिकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है तथा प्रकरण कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी और अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे।

कलेक्टर ने गैस एजेन्सी संचालकों की बैठक लेकर गैस वितरण व्यवस्था की समीक्षा की

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से गैस एजेन्सी संचालकों की बैठक लेकर गैस वितरण, गैस सिलेण्डरों की उपलब्धता तथा गैस एजेन्सियों में होने वाली भीड़ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को ऑनलाईन डिमांड करने पर ही गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराए जाएं। गैस सिलेण्डरों की होम डिलेव्हरी की जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक दर पर गैस सिलेण्डर विक्रय करने या होम डिलेव्हरी में उपभोक्ताओं से अधिक पैसा लेने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। पल्लवी इंडेन गैस एजेन्सी संचालक ने बताया कि वर्तमान में पहले से अधिक गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

पूर्व में दैनिक गैस डिलेव्हरी 250 थी जो बढक़र 300 हो गई है। इसी तरह भारत गैस आद्या गैस एजेन्सी संचालक ने बताया कि उनके एजेन्सी द्वारा 300 गैस सिलेण्डरों का दैनिक वितरण किया जा रहा है। गैस एजेन्सियों में ऐसे उपभोक्ता जो पहले गैस सिलेण्डर लेने नहीं आते थे वे उपभोक्ता तथा ई-केवायसी कराने वाले उपभोक्ताओं के कारण भीड़ लग जाती है। शासन द्वारा गैस सिलेण्डर प्राप्त करने के लिए ई-केवायसी अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में एलपीजी गैस की क्राईसेस नहीं है। पूर्व की भांति ही गैस डिलेव्हरी का कार्य संपादित किया जा रहा है। लोगों से अपेक्षा की गई है कि अनावश्यक रूप से गैस सिलेण्डरों का भण्डारण नहीं करें।

राज्यपाल और सीएम ने रिचा को पहनाया गोल्ड मेडल

शहडोल। प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती और जब इरादे फौलादी हों, तो सफलता के शिखर खुद-ब-खुद झुक जाते हैं। शहडोल जिले के बुढार (बनियान टोला) की मेधावी बेटी रिचा केशरवानी ने उज्जैन की धरती पर इतिहास रचते हुए जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन कर दिया है। विक्रम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में रिचा को सिविल इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल से नवाजा गया है।यह पल शहडोल के लिए गौरव का रहा, जब प्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रिचा को स्वर्ण पदक प्रदान कर उनकी मेधा का सम्मान किया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की इस छात्रा ने न केवल किताबी ज्ञान, बल्कि तकनीकी प्रोजेक्ट्स में भी अपनी कुशाग्र बुद्धि का लोहा मनवाया, जिसका परिणाम आज सुनहरे मेडल के रूप में सामने है।रिचा की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे उनके माता-पिता का तप और त्याग है। उनके पिता राज कुमार गुप्ता (शिक्षक, अमलाई नंबर तीन) और माता प्रीति गुप्ता (अध्यक्ष, केशरवानी महिला समिति) ने बेटी की इस उपलब्धि पर गद्गद होते हुए कहा कि रिचा ने बचपन से ही अनुशासन और लक्ष्य को अपना मूलमंत्र बनाया था। एक शिक्षक पिता के मार्गदर्शन और सामाजिक रूप से सक्रिय माता के संस्कारों ने रिचा को इस मुकाम तक पहुंचाया है।जैसे ही रिचा के गोल्ड मेडल जीतने की खबर बुढार पहुंची, समूचे क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध जनों और समाजसेवियों ने इसे महिला सशक्तिकरण की जीती-जागती मिसाल बताया है। अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए रिचा ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका अगला लक्ष्य देश और समाज निर्माण में अपना तकनीकी योगदान देना है। शहडोल की इस लाड़ली ने साबित कर दिया है कि छोटे शहरों के बड़े सपनों में कितनी

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण के दिए निर्देश

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न विभागों में 100 दिन, 300 दिन और 500 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन

शिकायतों की मानीटरिंग करें तथा 31 मार्च के पूर्व इनका निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रगति वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा, गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने कि जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत डगवेल रिचार्ज,तालाब, अमृत सरोवर का कार्य लक्ष्य के अनुरूप किया जाए। अभियान के तहत प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किए जाए। तालाबों के आस पास हुए अतिक्रमण को हटाते हुए सख्त कार्यवाही की जाए। नगरीय क्षेत्रों में कुओं, बावडिय़ों,घाटों एवं जीर्णोद्वार के कार्य किये जाएं । उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में अधिक से अधिक लोगो को जोड़ते हुए अभियान को जन आंदोलन बनाया जाए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर पी. के.सेन गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर एवं जनपद सीईओ मानपुर प्रत्यूष श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन कल

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन प्रधानमंत्री कौशल केंद्र खलेसर उमरिया में 25 मार्च को प्रातः 11 बजे से आयोजित किया गया है। मेले में राम फाइनेंस उमरिया, एसबीआई इंशोरेंस उमरिया, प्रथम एजुकेशन जबलपुर, वर्धमान मंडी दीप भोपाल एवं एलआईसी उमरिया शामिल होगे।

27 मार्च को श्रीरामनवमीं के पावन अवसर पर 'प्राकट्य पर्व'

उमरिया। भगवान श्रीराम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी अनेक आख्यान, जनश्रुति प्रचलित हैं जो आम जनमानस में विश्वास के रूप में मान्य है। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव की गरिमा अनुरूप, धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन उमरिया के सहयोग से 27 मार्च, 2026 को सायं 7 बजे से मंगल भवन परिसर, उमरिया में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सांस्कृतिक स्वरूपों में श्रीराम की महिमा देखने को मिलेगी। संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि श्रीरामनवमीं के पावन अवसर पर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराने के उद्देश्य से विभाग द्वारा प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। उमरिया में होने वाले कार्यक्रम में सर्वप्रथम बघेली लोक गायन की प्रस्तुति श्री मुनीन्द्र मिश्रा, शहडोल द्वारा दी जाएगी। इसके बाद श्रीराम केनद्रित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति डॉ. नेहा विश्वकर्मा, जबलपुर के निर्देशन में होगी। वहीं, गायिका सुश्री पल्लवी तिवारी, सिवनी द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क रहेगा।

कोल माइंस और प्रशासनिक तंत्र से सांठ-गांठ कर नियमों को किया दरकिनार

ओवरलोड वाहनों से राख परिवहन, पर्यावरण मानकों की अनदेखी और फर्जी भुगतान के जरिए करोड़ों का खेल

कोल माइंस में गड्ढों को भरने के नाम पर करोड़ों का खेल

अमरकंटक थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली राख (राखड़) के परिवहन और निस्तारण के नाम पर बड़ा खेल सामने आया है। ठेकेदार राजू सिंह पर आरोप है कि उसने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, कोल माइंस और प्रशासनिक तंत्र से सांठ-गांठ कर नियमों को दरकिनार कर दिया है। खुले और ओवरलोड वाहनों से राख परिवहन, पर्यावरण मानकों की अनदेखी और फर्जी भुगतान के जरिए करोड़ों का खेल लंबे समय से जारी है।

शहडोल। जिले में अमरकंटक थर्मल पावर केंद्र से निकलने वाली राख (राखड़) के परिवहन और निस्तारण में बड़े स्तर पर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आरोप है कि राजू सिंह नामक ठेकेदार ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी), कोल माइंस प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन के साथ सांठगांठ कर पूरे सिस्टम को अपने नियंत्रण में ले रखा है। स्थिति यह है कि नियम-कायदों को ताक पर रखकर खुलेआम पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, अमरकंटक थर्मल पावर प्लांट से रोजाना दर्जनों हाइवा वाहनों के जरिए राख को सोहागपुर और जमुना-कोतमा क्षेत्र की खदानों में भेजा जाता है। इन खदानों में कोयला निकालने के बाद बने विशाल गड्ढों को भरने के नाम पर राख डाली जा रही है। हालांकि इस प्रक्रिया के लिए पर्यावरणीय मानकों का पालन अनिवार्य है, लेकिन मौके पर स्थिति इसके विपरीत नजर आती है।

नियमों की खुलेआम धज्जियां

सोमवार को सामने आए मामले में धनपुरी नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत स्थित बंद हो चुकी बैग ओपन कास्ट माइंस में बड़े पैमाने पर राख डंपिंग की जा रही थी। यहां पाया गया कि राख को बिना पूरी तरह ढंके खुले वाहनों में लाया जा रहा है, जिससे रास्ते भर धूल उड़ रही है और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों की खुलेआम धज्जियां

बैग ओपन में नियम विपरीत चल रहा राजू का ऑपरेशन

उड़ाई जा रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अमलाई से धनपुरी तक सडक़ के दोनों किनारों पर राख की परत जम चुकी है, जिससे आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है, लेकिन प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

पारदर्शिता की भारी कमी

इस पूरे मामले में सबसे गंभीर बात यह है कि अधिकांश वाहन ओवरलोड हैं, जबकि न्यायालय और परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोडिंग पर सख्त प्रतिबंध है। इसके बावजूद न तो यातायात पुलिस कोई कार्रवाई कर रही है और न ही स्थानीय थाना प्रभारी इस पर ध्यान दे रहे हैं। आरोप है कि राजू सिंह की मैनेजमेंट के चलते पूरा सिस्टम मौन है। राख के परिवहन में पारदर्शिता की भी भारी कमी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, प्लांट से कितनी राख निकाली जा रही है और कितनी खदानों में डंप की जा रही है, इसका कोई स्पष्ट रिकॉर्ड नहीं रखा जा रहा। भुगतान भी ठेकेदार द्वारा बताए गए आंकड़ों के आधार पर ही किया जा रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी स्थिति बेहद चिंताजनक है। जिस बैग ओपन कास्ट माइंस में राख डाली जा रही है, वहां वर्षों से पानी भरा हुआ था और बड़ी संख्या में जलीय जीव-जंतु निवास करते थे। बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के सीधे राख डालने से इन जीवों के जीवन पर संकट आ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की गतिविधियां पर्यावरण

संतुलन को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं।

पर्यावरण को दोहरा नुकसान

नियमों के अनुसार, गड्ढों को भरने के लिए पहले राख और फिर मिट्टी की परत डालकर उसे कम्पैक्ट करना होता है, लेकिन मौके पर केवल राख डाली जा रही है। जहां मिट्टी का उपयोग किया गया है, वह भी आस-पास के क्षेत्रों को खोदकर लाई गई है, जिससे नए गड्ढे बन गए हैं और पर्यावरण को दोहरा नुकसान हो रहा है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जाएगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि जब यह गतिविधि लंबे समय से चल रही है, तो अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

खुले और ओवरलोड वाहन बने खतरा

खुले हाइवा वाहनों से राख परिवहन के कारण सडक़ों पर धूल का गुबार उड़ रहा है। अधिकांश वाहन ओवरलोड हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। परिवहन और पुलिस विभाग की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद राख परिवहन और डंपिंग में पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं हो रहा। बिना ढंके वाहनों और गलत तरीके से डंपिंग से प्रदूषण बढ़ रहा है।

कोल माइंस में गड्ढों के नाम पर खेल

कोयला खदानों के गड्ढों को भरने के नाम पर भारी अनियमितता सामने आई है। निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत केवल राख डाली जा रही है, जिससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। जिस क्षेत्र में राख डाली जा रही है, वहां वर्षों से जलभराव था। बिना जीव-जंतुओं को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किए सीधे राख डालने से उनकी मौत का खतरा बढ़ गया है। राख की मात्रा का सही आकलन नहीं होने से भुगतान प्रक्रिया संदिग्ध है। ठेकेदार द्वारा बताए गए आंकड़ों के आधार पर भुगतान होने से करोड़ों के घोटाले की आशंका जताई जा रही है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। बांधवगढ टाईगर रिजर्व व्दारा प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में नहीं करने पर तथा डी ग्रेड में होने कि स्थिति में कडी नाराजगी व्यक्त की तथा उप संचालक बांधवगढ को शिकायतों का निराकरण प्रमुखता के साथ करने के निर्देश दिए । बैठक में उन्होने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों,मानवाधिकार के पत्रों,फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। कलेक्टर ने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग शिकायत मिलने पर हैंडपंप मरम्मत का कार्य सतत रूप से जारी रखें । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से कहा कि शहर में वन वे मार्ग पर ट्राफिक पुलिस की ड्यूटी लगाई जाए। गैस सिलेंडर की उपलब्धता पर जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध हैं,तथा समय पर सिलेंडर का वितरण किया जा रहा है ।कलेक्टर ने जिले में डीजल एवं पेट्रोल के स्टाक की भी जानकारी ली।

उन्होने कृषि विभाग से कहा कि यह सुनिश्चित करें कि हार्वेस्टर बिना रीपर के जिले में नहीं संचालित हों। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को गौशालाओं में साफ सफाई,पानी,भूसे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।उन्होंने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग एवं सभी नगरीय निकायों से कहा कि पानी का सेंपल लेते हुए उसकी नियमित रूप से जांच की जाए ।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर पी के सेन गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अमित सिंह,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर एवं जनपद सीईओ मानपुर प्रत्यूष श्रीवास्तव,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

10 दिवसीय भव्य श्रीराम कथा व शतचंडी महायज्ञ में उमड़ रहे श्रद्धालु

बदरा/जमुना। रामनवमी के पावन अवसर पर पसान नगर में आयोजित 10 दिवसीय भव्य श्रीराम कथा एवं शतचंडी महायज्ञ इन दिनों पूरे क्षेत्र में आस्था और भक्ति का केंद्र बना हुआ है नगर में चल रहे इस विराट धार्मिक आयोजन में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथावाचक पंडित राजीव लोचन शास्त्री अपनी ओजस्वी वाणी और संगीतमय शैली में श्रीराम कथा का रसपान करा रहे हैं कथा सुनने के लिए अनूपपुर जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन कथा स्थल पर पहुंच रहे हैं। 22 मार्च को आयोजित कथा के दौरान पंडित राजीव लोचन शास्त्री ने भगवान श्रीराम के जन्म का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया कथा में महाराज दशरथ के पुत्रेष्टि यज्ञ, चारों भाइयों राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म तथा अयोध्या में छाए उत्सव के वातावरण का वर्णन किया गया जैसे ही कथा में भगवान श्रीराम के जन्म का प्रसंग आया, पूरा पंडाल "जय श्रीराम" के जयघोष से गूंज उठा और श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे। कथावाचक ने बताया कि भगवान श्रीराम का अवतार धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश के लिए हुआ था उनके जीवन से मर्यादा, त्याग, सेवा और आदर्श जीवन का संदेश मिलता है कथा के दौरान श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर कथा श्रवण करते रहे।

कथा के दौरान ताड़का वध का प्रसंग भी अत्यंत रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसमें महर्षि वशिष्ठ के मार्गदर्शन में भगवान राम और लक्ष्मण द्वारा राक्षसी ताड़का के वध का वर्णन किया गया इस प्रसंग को नाटकीय और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया, जिससे श्रद्धालु पूरी तरह कथा में डूब गए। ताड़का वध का प्रसंग सुनाते हुए कथावाचक ने बताया कि भगवान श्रीराम ने अपने गुरु के आदेश का पालन करते हुए धर्म की रक्षा के लिए ताड़का का वध किया यह प्रसंग हमें यह संदेश देता है कि धर्म और सत्य की रक्षा के लिए साहस और कर्तव्यनिष्ठा आवश्यक है। ताड़का वध के प्रसंग के उपरांत कथा स्थल पर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और गुरु वशिष्ठ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से आरती की और भगवान श्रीराम से सुख-समृद्धि तथा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के दौरान पूरा वातावरण भक्ति रस में डूबा नजर आया भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा कथा स्थल गूंजता रहा।

शतचंडी महायज्ञ से वातावरण हुआ पवित्र

श्रीराम कथा के साथ-साथ यहां शतचंडी महायज्ञ का भी आयोजन किया जा रहा है वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया है श्रद्धालु यज्ञ में आहुति देकर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। पंडितों द्वारा विधि-विधान से किए जा रहे इस महायज्ञ से पूरे क्षेत्र में सकारात्मक और धार्मिक वातावरण बना हुआ है। इस भव्य धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन अनूपपुर जिले के विभिन्न नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ पड़ोसी जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं कथा स्थल पर महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। श्रद्धालु सुबह से ही कथा स्थल पर पहुंचकर कथा श्रवण करते हैं और यज्ञ में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैठने, पेयजल और प्रसाद वितरण की भी उत्तम व्यवस्था की गई है।

मां की आराधना में डूबे श्रद्धालु

पंचमी पर हुई विशेष पूजा-अर्चना

कोतमा। मंदिरों में घंटी व शंख की गूंज से कोयलांचल एवं कोतमा नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। नगर-नगर, गांव-गांव, घर-घर में मां दुर्गा के नवरुपों की उपासना किया जा रहा है। शाम होते ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ लग रही है। चैत्र नवरात्र प्रारंभ होते ही लोगों में उत्साह व उमंग के साथ ही वातावरण में धार्मिकता का बोध होने लगा है। नवरात्र के पंचमी पर सोमवार को देवी मां के विशेष श्रृंगार के साथ विशेष पूजा अर्चना की गई। सभी वर्ग के लोग इन दिनों शक्ति की देवी मां जगत जननी की आराधना उपासना में जुटे हुए है। शाम होते ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लग रही है। मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। जगह जगह जगत जननी मां दुर्गा के जयकारा से पूरा वातावरण गुंजायमान बना हुआ है। पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना हुआ है। मां के दर्शन करने लोग मंदिरों में पहुंच रहे और मनोकामना पूर्ति की मन्नते मांग रहे हैं। कोतमा नगर के प्रमुख मंदिर ठाकुर बाबा धाम स्थित कामेश्वरी माता मंदिर, शारदा काली मंदिर, पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर, बूढी माता मंदिर, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, बुढानपुर मे अन्नपूर्णा माता मंदिर, गोविंदा कॉलोनी दुर्गा मंदिर, परासी धाम निगवानी में मरखी माता, लहसुई कैप के संतोषी माता, मवेशी बाजार के पास शारदा काली मंदिर सहित अन्य मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित कराए गए हैं। नगर के पंचायती मंदिर के पुजारी कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि नवरात्र के प्रथम दिन से ही मंदिर परिसर मे 101 ज्योति कलश जलाया जा रहा है जो निरंतर 24 घंटे तक तेज लौ के साथ जल रही है। वहीं गांवों में भी आस्था की ज्योति जल रही है।

जगमगा रहे आस्था के ज्योति

ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में ज्योति और जवारा स्थापित की गई है। वहीं ठाकुर बाबा धाम पंचायती मंदिर बूढी माता मंदिर में प्रतिवर्ष चैत्र और क्वांर नवरात्रि में श्रद्धालु आस्था की ज्योति प्रज्वलित कराते हैं। श्रद्धालुओं के बीच यह आस्था वर्षों पूर्व से चली आ रही है। मां के दरबार पहुंचकर सच्चे मन से जो मन्नतें मांगी है वह अवश्य पूरी होती है। यही वजह है कि नवरात्रि पर्व पर श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। यहां नवरात्रि पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। नवरात्र के प्रथम दिन से ही पंचायती मंदिर धर्मशाला मंदिर ठाकुर बाबा धाम मंदिर में कन्या भोज कराया जा रहा है। अष्ठमी पर भी दूर दराज से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते है। सुबह से ही मंदिरों में महिलाएं माता को जल चढ़ाने के लिए नंगे पांव मंदिर में पहुंचकर माता को जल चढ़ाते हुए विशेष पूजा अर्चना कर रही हैं। पंचमी को लेकर शारदा काली मंदिर मे माता को जल चढ़ाने के लिए महिलाओं की लंबी कतार सुबह से लेकर दोपहर लगी रही।

जस गीतों से गुज रहा गांव

चैत्र नवरात्रि का पर्व प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में श्रद्धालु मां की आराधना में डूबे हुए हैं। नगर सहित आस-पास गांवों के मंदिरों में जसगीतों की धुन गूंज रही है। नवरात्र के अवसर पर देवी मंदिरों में कथा, प्रवचन, देवी भागवत चल रहा है। वहीं रात में ढोल, नगाड़े, झांझ मंजीरे के साथ श्रद्धालु एकत्रित होकर जसगीतों के साथ मां की सेवा करते हैं। इससे पूरे नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र देवीमय माहौल में डूब जाता है। पुरुषों से लेकर महिलाएं व बच्चे भी भजन कीर्तन का आंनद लेते हैं। माता के मंदिरों में भक्त सुख समृद्धि बनाए रखने की कामना करते हैं।

जगमगाया देवी मंदिर

नगर में तो एक ओर नवरात्र की धूम है। सभी मंदिरों में आस्था की ज्योति जल रही है। वहीं आस-पास के गांव भी पीछे नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में आस्था के जोत जल रहे हैं। ग्रामीण अपने पारंपरिक तरीके से नवरात्र का पर्व मना रहे हैं। गांव में आज भी रात में अपने पुराने रिति रिवाज के साथ ढोल व झांझ मंजिरो के साथ मां के गुणगान जसगीतो के साथ करते हैं।

शक्ति की भक्ति

चैत्र नवरात्र में भक्त माता की भक्ति में लीन है। मन्नते पूरी होने पर घर से बाजे गाजे के साथ दंडवत करते हुए महिलाएं पुरुष माता के दरबार तक बैंड बाजों के साथ पहुंच रहे हैं। लोगों का कहना है कि माता की भक्ति में ही शक्ति मिलती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत छठ तालाब में सामूहिक श्रमदान

बदरा/जमुना। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत विकासखंड अनूपपुर के सेक्टर क्रमांक 04 की नवांकुर संस्था नगर विकास प्रस्फुटन समिति पसान द्वारा सोमवार को जमुना कालरी स्थित छठ तालाब में सामूहिक स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने सहभागिता करते हुए जल स्रोतों की सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया। स्वच्छता श्रमदान के दौरान तालाब में पूजा-अर्चना के बाद विसर्जित की गई सामग्रियों, मूर्ति अवशेषों, पॉलिथीन, कपड़ों सहित अन्य कचरे को निकालकर एकत्रित किया गया और उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल स्रोतों जैसे नदी, तालाब, कुएं एवं पोखरों के संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद पसान के उपाध्यक्ष अजय यादव ने कहा कि "जल है तो कल है" के महत्व को समझते हुए प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास के प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 19 मार्च से 27 मार्च तक प्रथम चरण में विभिन्न जल स्रोतों की साफ-सफाई, संरक्षण और जागरूकता संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और 30 जून तक विभिन्न स्थानों पर जल संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम में नगर पालिका पसान के उपाध्यक्ष अजय यादव, राहुल कुशवाहा, नवांकुर संस्था पसान के प्रतिनिधि विकास कुमार, परामर्शदाता शिवानी सिंह, कृष्णा देवी, प्रस्फुटन समिति पसान, भालूमाड़ा, बरतराई और भलवाही के सदस्य, सीएमसीएलडीपी के छात्र पारस मुखर्जी, शुभम गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, श्रीमती मालती वर्मा (सह कार्यालय मंत्री), अंजलि जायसवाल, अमीषा सिंह सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

सिकल सेल एनीमिया शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ संपन्न

कोतमा। स्वास्थ्य विभाग अनूपपुर आयुष विभाग अनूपपुर एवं जन स्वास्थ्य सहयोग गनियारी संस्था के सौजन्य से सोमवार को सिकल सेल एनीमिया शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में संपन्न हुआ। आवश्यक दवाइयां जैसे हाइड्रोक्सी यूरिया एवं फोलिक एसिड के साथ-साथ सहयोगी आयुर्वेदिक औषधियां जैसे रसना सप्तक कथा त्रिकटु चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण आदि आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया करते हुए कुल 85 मरीजों की जांच की गई। डॉक्टर संगीता प्रजापति आयुष मेडिकल ऑफिसर द्वारा प्रत्येक मरीज की जांच की गई एवं औषधीय वितरित की गई। डॉक्टर प्रजापति द्वारा सिकल सेल एनीमिया मे होने वाले कॉम्प्लिकेशन से बचने के उपाय भी बताए गए कुल 7 लोगों को वैक्सीनेट किया गया जिसमें फर्स्ट डोस के एक तथा सेकंड डोस के छह मरीजों को वैक्सीनेट किया गया। शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर केएल दीवान का मार्गदर्शन मिला। शिविर में गनियारी संस्था से पवन गुप्ता, डॉक्टर सुरभि शर्मा, रोशनी राठौर, ममता सिंह, सीमा सिंह, सीमा निराला पूजा मेहरा, शालिनी मिश्रा उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

टिहकी में भागवत कथा का आयोजन

ब्यौहारी। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत टिहकी पाठक परिवार द्वारा भागवत कथा का आयोजन किया गया है परम पूज्य ब्रह्मलीन गुरुदेव महावीर दांडी जी के आशीर्वाद से कथा व्यास अवधेश गर्ग द्वारा कथा का वाचन किया जा रहा है कक्षा व्यास द्वारा भक्ति एवं वैराग्य के बारे में श्रद्धालुओं को बताया कि हम सबको भक्ति के मार्ग पर चलना चाहिए माया ना स्वर होती है कथा आयोजन में प्रमुख रूप से राम भजन पाठक राम प्रसाद पाठक, वीरैश पाठक पटवारी, संजय पाठक, संदीप पाठक एवं समस्त की ग्राम के टिहकी के ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत आज लगेंगे शिविर

कटनी। शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिकों को दिलाने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में ₹संकल्प से समाधान अभियान₹ का तृतीय चरण शुरू हो चुका है। इस चरण के अंतर्गत विकासखण्ड स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहें हैं। जिसमें क्लस्टर या जोन लेवल पर अनिराकृत शेष आवेदन व शिकायतों या नवीन प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। जिन विकासखण्ड मुख्यालयों में नगर पंचायत या नगर पालिका स्थित है, उनमें सम्मिलित रूप से विकासखण्ड मुख्यालय स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में किए गए निराकरणों को ब्लॉक लेवल नोडल अधिकारी द्वारा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। जारी शिविर कार्यक्रम के अनुसार नगर परिषद बरही और विकासखंड कटनी में सोमवार 23 मार्च को शिविर का आयोजन किया जाएगा। मंगलवार 24 मार्च को विकासखंड बड़वारा, कटनी (एम कार्पोरेशन) और रीठी में शिविर आयोजित किये जायेंगे। वहीं गुरूवार 26 मार्च को विकासखंड बहोरीबंद में शिविर आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी जिला अधिकारियों और एसडीएम को संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित होने वाले विकासखंड स्तरीय शिविरों में शामिल होने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को इन शिविरों में विधायकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी बुलाने हेतु निर्देशित किया है।

योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के निर्देश

कटनी। संभागायुक्त जबलपुर धनंजय सिंह के निर्देशानुसार संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास, जबलपुर उषा सिंह सोलंकी ने कटनी प्रवास के दौरान आसरा बाल गृह का निरीक्षण किया तथा विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक ने जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा पाण्डेय के साथ बाल गृह का जायजा लिया। इस दौरान बाल गृह में 35 बच्चे दर्ज पाए गए। उन्होंने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने और उनके बेहतर पुनर्वास के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। साथ ही प्री-एडॉप्शन से वापस आए बालक शिवा के पुनर्वास के लिए पुनः प्रयास तेज करने के लिए भी कहा।इसके पश्चात महिला एवं बाल विकास विभाग के विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिन योजनाओं में प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गई, उनमें शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

पंचमीं मनाई गई, उमड़ा आस्था का सैलाब; बढ़ती भीड़ के बीच सप्तमी-अष्टमी की तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

स्कंदमाता की भव्य पूजा, महाआरती व भजन-कीर्तन से गूंजा धनपुरी, देर रात तक चलता रहा दर्शन का सिलसिला

चैत्र नवरात्र के पांचवें दिन पंचमी पर्व शनिवार को पूरे नगर में अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। सिद्धपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर, विलियस नंबर-1 काली मंदिर, खेर माता मंदिर एवं मढ़िया मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हालात यह रहे कि दिनभर मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं और देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहा।मां के जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा।

धनपुरी।

श्रद्धालुओं ने मां स्कंदमाता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगलमय जीवन की कामना की। मंदिरों में माता का भव्य एवं आकर्षक श्रृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्तों ने फूल-माला, श्रीफल, चुनरी, नारियल एवं श्रृंगार सामग्री अर्पित कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।स्कंदमाता की आराधना, हर मनोकामना पूर्ण होने की आस्थापंचमी के दिन मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप स्कंदमाता की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सच्चे मन से की गई आराधना से रोग, भय, शत्रु बाधाएं समाप्त होती हैं तथा आयु, आत्मबल और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। दिनभर मंदिरों में विशेष पूजा, पाठ एवं अनुष्ठानों का क्रम जारी रहा।भव्य महाआरती में उमड़ी भीड़, भजन-कीर्तन में झूमे श्रद्धालुरात्रि 8 से 9 बजे तक मंदिरों में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। इसके पश्चात भजन-कीर्तन का दौर देर रात तक चलता रहा। भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।ज्योति कलश व दीपों से जगमगाए मंदिरपंचमी पर ज्योति कलश का विशेष महत्व देखने को मिला। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने घी के दीप प्रज्वलित कर अपनी मनोकामनाएं मांगी। इस बार कई मंदिरों में तांबे के दीपकों की व्यवस्था की गई थी, जिससे दीपक लंबे समय तक प्रज्वलित रहे और मंदिर परिसर दिव्य प्रकाश से जगमगाता रहा।जवारे की परंपरा, आस्था के साथ स्वास्थ्य का संदेशघर-घर बोए गए जवारे श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बने रहे। धार्मिक मान्यता के अनुसार जवारे पूजा की पूर्णता का प्रतीक होने के साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माने जाते हैं। नवरात्र समाप्ति के बाद इन्हें अन्न भंडार में रखने की परंपरा भी निभाई जाएगी।दिन-ब-दिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्यानवरात्र के बढ़ते चरणों के साथ मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। विशेषकर शाम के समय भारी भीड़ उमड़ रही है, जिससे पूरे नगर में भक्ति और उत्सव का माहौल चरम पर पहुंच गया है।सप्तमी-अष्टमी को लेकर तेज हुई तैयारियांपंचमी के बाद अब मंदिर समितियां आगामी सप्तमी और अष्टमी पर्व की तैयारियों में जोर-शोर से जुट गई हैं। विशेष पूजन, कन्या पूजन, भंडारा एवं भव्य आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। मां ज्वालामुखी मंदिर में सेवा दे रहे रामपूरन लोधी, दीपू सिंह, आकाश मिश्रा, शैलेन्द्र शर्मा, द्वारिका विश्वकर्मा,भरत महरा, अशोक सिंह, रवि कुशवाहा, पुष्पेन्द्र सिंह,विजय प्रकाश शर्मा, महेंद्र सिंह पवार, पप्पू महराज, सन्तोष महरा, मैथिलीशरण गुप्त, कृष्ण राज सिंह राणा,भरत, रामअवतार शर्मा,लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, बिक्रम सिंह, काशी विश्वकर्मा,नायक,लाला कल्लू लोधी, विक्की नामदेव, लक्ष्मन सोनी, राजू अग्रवाल। मां की सेवा में लगे हुए हैं।काली मंदिर में भी उमड़ी आस्थाविलियस नंबर-1 स्थित मां काली मंदिर में पंचमी पर्व हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रूप से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने पंचामृत एवं विभिन्न व्यंजनों का भोग अर्पित किया।समिति अध्यक्ष एस.पी. सिंह ने बताया कि यहां पंचमी और अष्टमी का विशेष महत्व है तथा गाजे-बाजे के साथ होने वाली भव्य आरती दूर-दूर तक प्रसिद्ध है, जिसे देखने-सुनने बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं।प्रशासन अलर्ट, चाक-चौबंद रही व्यवस्थापर्व के दौरान नगर पालिका द्वारा साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए कर्मचारियों को मुस्तैद रखा गया।वहीं धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह अपने दल-बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। मंदिरों के आसपास विशेष निगरानी रखी गई।भक्ति में डूबा धनपुरी, गूंजते रहे जयकारेपंचमी के इस पावन अवसर पर पूरा धनपुरी नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। मंदिरों में गूंजते जयकारे, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की आस्था का संगम इस पर्व को और भी दिव्य बना गया। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां स्कंदमाता की सच्चे मन से की गई आराधना से हर मनोकामना पूर्ण होती है और जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास होता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत युवाओं ने श्रमदान कर बनाया बोरी बांध

उमरिया

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिला कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन में मार्गदर्शन पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा ग्राम पंचायत करकटी के नदी पर स्वच्छता अभियान आयोजित कर बोरी बांध बनाया गया। सफाई करते हुए प्लास्टिक, पालीथिन की थैलियां, कागज, मास्क, कपड़े और भारी मात्रा में कचरा बाहर निकाला गया। स्वच्छता अभियान आयोजित कर नदी में बोरी बांध बनाया गया।। पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी ने बताया कि स्वच्छता, भक्ति के बाद दूसरी सबसे महत्वपूर्ण चीज है, गांधीजी के अनुसार,"जब तक आप झाड़ू और बाल्टी अपने हाथों में नहीं लेते तब तक आप अपने गांव एवं कस्बे को स्वस्थ नहीं कर सकते।" युवाओं ने आमजन से की अपील करते हुए कहा कि प्रदूषण रोकने के लिए प्लास्टिक से बने उत्पादों का कम से कम इस्तेमाल करें ताकि हमे प्लास्टिक से मुक्ति मिल सके। उन्होंने कहा कि लोगों में जागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग भी प्लास्टिक का इस्तेमाल कम से कम करे।उन्होंने बताया कि न केवल नदी का जल बचा रहे हैं बल्कि इससे हमारे बोरवेल कण पर जल स्तर भी बढ़ेगा बीते वर्ष अल्प वर्षा के चलते जैसे पिछले वर्ष पानी के लिए परेशान होना पड़ा वह नहीं होना पड़ेगा युवाओं में ऐसी जागृति उनकी एकता और अच्छी सोच से आई है।नदी पर सभी ने श्रमदान कर बोरी बंधान का कार्य किया इस बोरी बंधान को बनाने में सभी ने एकजुटता से जो सफलता प्राप्त की वह निश्चित से आगामी समय में सभी ग्रामवासी एवं आसपास के लोगों के लिए लाभदायक होगी।इस दौरान पर्यावरण राहुल सिंह,ग्रामीण युवा साहिल सिंह,अभिजीत सिंह,करन बैगा,मनीष सिंह,अंकित सिंह, उमेश सिंह ,मुकेश सिंह,मनीष सिंह एवं सभी उपस्थित रहे।

RKTC कंपनी तक साजिश के तार, राज तिवारी के राज से कब उठाएगा प्रशासन नकाब

SECL की जमीन पर 'मिट्टी माफिया' का नंगा खेल! कुंड की आड़ में खुली लूट

मिट्टी चोरी से लेकर कबाड़, कोयला चोरी का राज पर लग चुका है आरोप

अनूपपुर/धनपुरी।

साउथ ईस्टर्न कोल्फील्डिंस लिमिटेड (SECL)की लीज जमीन अब कथित तौर पर माफियाओं का चारागाह बन चुकी है, जहां कानून को धता बताकर दिनदहाड़े लूट मचाई जा रही है। कुंड निर्माण का बहाना, नगर परिषद की JCB से खुदाई और 18–20 ट्रॉली मिट्टी की खुली निकासी—यह सिर्फ अनियमितता नहीं, बल्कि सरकारी संपत्ति पर संगठित डकैती का मामला बनता जा रहा है।इस पूरे खेल के केंद्र में BDS डॉक्टर राज तिवारी का नाम बार-बार उभर रहा है। हालात ऐसे हैं कि JCB चालक तक कबूल कर रहा है कि मिट्टी निकाली गई और बाहर भेजी गई, लेकिन "कहां गई"—इस पर सब खामोश! यह खामोशी ही इस 'मिट्टी सिंडिकेट' का सबसे बड़ा सबूत बन रही है।अब इस खेल की आंच सीधे RKT C कंपनी तक पहुंच चुकी है। आरोप है कि कंपनी के नाम पर मशीनों और डंपरों का खुला दुरुपयोग हो रहा है। दिन में नगर परिषद की मशीनें, रात में कंपनी के डंपर—क्या यह बिना मिलीभगत के संभव है? स्थानीय स्तर पर कंपनी के मुखिया वेंकटेश्वर रेड्डी और राज तिवारी की नजदीकियों की चर्चा आग की तरह फैल चुकी है।सूत्रों का दावा है कि इस पूरे काले खेल का विरोध करने वाले कर्मचारियों को योजनाबद्ध तरीके से बाहर किया गया। आठ कर्मचारियों पर झूठे आरोप मढ़कर उन्हें नौकरी से हटाना—यह साफ संकेत है कि सच बोलने वालों की यहां कोई जगह नहीं। मजदूरों का आरोप है कि एक तरफ सत्ता का दबाव, दूसरी तरफ पैसों का खेल—और इनके बीच कानून पूरी तरह बौना साबित हो रहा है।राज तिवारी का अतीत भी सवालों से भरा है। SECL क्षेत्र में कबाड़ और कोयला चोरी के आरोप, ब्लैकलिस्टिंग की चर्चाएं—फिर भी वही व्यक्ति दोबारा सिस्टम में सक्रिय! आखिर किसकी छत्रछाया में यह सब चल रहा है?और सबसे बड़ा सवाल—कानून आखिर है कहां? मजदूरों का आरोप है कि रात के अंधेरे में SECL का कीमती स्क्रैप तक पार किया जा रहा है, लेकिन FIR तक दर्ज नहीं होती। क्या कानून सिर्फ गरीब मजदूरों पर ही चलता है? क्या रसूखदारों के सामने पुलिस और प्रशासन घुटने टेक देता है?SECL खुद मान चुका है कि मिट्टी उसकी लीज जमीन से खोदी गई है और कार्रवाई की बात कर रहा है। पुलिस भी जांच की बात कह रही है, लेकिन जमीन पर सन्नाटा है—और यही सन्नाटा पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है।अब यह मामला पूर्व मे निकाले गए आठ कर्मचारी, और उनके यूनियान के नेता मामले को लेकर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री मोहन यादव तक ले जाने की तैयारी में है, लेकिन जनता पूछ रही है—क्या वहां भी सिर्फ फाइलें घूमेंगी या सच में कार्रवाई होगी?तीखे सवाल सीधे सिस्टम से—क्या RKT C कंपनी इस खेल की भागीदार है?क्या नगर परिषद की मशीनें अब 'माफिया टूल' बन चुकी हैं?क्या कानून सिर्फ कमजोरों के लिए है?धनपुरी में अब मिट्टी नहीं, सिस्टम की सड़ांध उखड़ रही है। अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो साफ है—यहां कानून नहीं, माफिया राज चल रहा है।

बिरासनी सेवा समिति पाली का विशाल भंडारा एवं छप्पन भोग, नवरात्रि में माता को चढता, छप्पन भोग का प्रसाद

बिरसिंहपुर पाली

धर्म मयी नगरी माँ बिरासनी सेवा समिति के व्दारा माता बिरासनी देवी के तीसरे प्रवेश व्दार में नवरात्रि के पावन अवसर पर नौ दिनों तक विशाल भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। वैसे भी साल के हर सोमवार को हर भंडारा किया जाता है, लेकिन शारदीय एवंम बसंतीय नवरात्रि पर्वो पर अखंड भंडारा का आयोजन किया जाता है। बिरासनी सेवा समिति के व्दारा प्रतिदिन पहले माता का छप्पन भोग लगाने के लिए नगर के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित कर भोग लगाया जाता है, फिर कन्या पूजन और उनके भोज के बाद भंडारा का शुभारंभ किया जाता है। इस तरह से बिरासनी सेवा समिति के व्दारा आयोजित भंडारा में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंच कर प्रसाद ग्रहण करते हैं। आज के छप्पन भोग चढाने में एस ई सी एल जोहिला क्षेत्र के नवागत महाप्रबंधक सी एस चौहान और पाली समूह के अधिकारियों के अलावा अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों अधिवक्ता गण और पत्रकारों की टीम सहित सैकड़ों नागरिकों ने माता रानी को छप्पन भोग अर्पित करने दरबार में पहुंचे, यह क्रम अपने निरंतरता के साथ चलता रहता है। अलग अलग दिनों में अलग अलग लोगों को यह सुअवसर प्रदान किया जाता है ।

नवरात्रि पर्व में नगर में चहुँ ओर गूंज रहे माता के जयकारे धर्म मयी नगरी में धर्मज्ञ ने खोलें श्रद्धालुओं के लिए अपने भंडार

बिरसिंहपुर पाली। आस्था और शक्ति पूजन का महापर्व बसंतीय नवरात्रि में नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में भक्तों की अपार भीड़ पहुँच रही हैं। सुबह से माताओं की भीड देवी मंदिरों में जल ढारने और पूजा आराधना के लिए पहुंच रही हैं। कमोवेश यह स्थिति पाली नगर के साथ ही साथ आसपास के गांवों में अधिष्ठात्री देवी खेर माता में पहुंच कर मातायें आस्था की ज्योति जलाती देखी जाती है, फिर पाली नगर की जगत धात्री देवी माँ बिरासनी की तो अजब निराली महिमा है,जहाँ पर नगर के स्थानीय लोगों के साथ ही हजारों श्रद्धालुओं का देश -विदेश से माता के दरबार में माथा टेकने के लिए पहुंचते है। सर्व विदित है कि बिरसिंहपुर पाली में दसवीं शताब्दी, कल्चूरी कालीन , आदम कद प्रतिमा, भक्तों को मनोवांछित फलदायनी, महिषासुर मर्दिनी देश भर में अव्दितीय है, जिस वजह से माता के दरबार में अपार श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए पहुंचते है। नवरात्रि के इस महापर्व में माता की महिमा जिस तरह से अवर्णनीय हो जाती है, उसी तरह पाली के धर्मज्ञो का भी अनूठा संगम दिखाई देता है। पाली नगर के चिर परिचित एक ऐसे ही समाज सेवी नवरात्रि के पर्व पर अपने भंडार खोलकर भंडारा करा रहे हैं, जिसकी ख्याति अब दूर दूर तक सुनने को मिलती है।नगर के धर्म प्रेमी धीरू शर्मा जी का परिवार नवरात्रि पर्व में बाहर से आये श्रद्धालुओं के लिए भंडारा का खुले हृदय से आगाज करते ही है पंचमी से नगर के लोगों को भी आमंत्रित कर उनको जिस श्रद्धा और उत्साह के साथ भोजन करा उनका सम्मान करते हैं , वह बेहद अनूठी परंपरा सी बन गयी है। पंचमी से लेकर नवमी तक लगातार शर्मा परिवार नगर के अलग अलग समुदाय, अलग अलग शासकीय विभागों के कर्मचारियों, व्यापारियों, अधिवक्ता संघ, राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं, पत्रकारों को आमंत्रित कर अलग अलग दिनों में जिस प्रेम निष्ठित भोजन और सम्मान करते हैं उससे उनकी प्रतिष्ठा दुगुणित हो जाती है। पंचमी में आज शिक्षा समुदाय , पुलिस महकमे और व्यापारियों को भंडारा में आमंत्रित कर सम्मान के साथ भोजन कराया गया। इस अवसर पर संत जोसेफ विद्यालय के प्राचार्य ने इस परंपरा की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा की भंडारा के साथ जो स्नेह शर्मा परिवार का मिला है वह अतुलनीय है। संजय गाँधी ताप परियोजना के एज्यूकेटिव इंजीनियर ने शर्मा परिवार के व्दारा चलाये जा रहे नवरात्रि भंडारा की सराहना करते हुए कहा कि जिस तन मयता के साथ यह भंडारा किया जा रहा है, यह सिर्फ लोगों की भूख और प्यास नहीं बुझाती यह दूर दूर से चलकर आये श्रद्धालुओं के मन में सीख देती है कि मानव जीवन को धन्य बनाने के लिए इस तरह से सहजता और उदारता के साथ जीवन जीना चाहिये।

गंदा पानी पीने को मजबूर साखी के गांव के लोग, बिजली बिल लाखों का आया नल जल योजना का कनेक्शन कटा

ब्यौहारी।

जनपद पंचायत ब्यौहारी- के अंतर्गत नगर परिषद से लगे गांव सखी में संचालित नल जल योजना का कनेक्शन एक हफ्ते से कटा हुआ लोग पानी के लिए दर-दर भटक रहे स्थानीय लोगों ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा हर कनेक्शन धारी से प्रतिमाह पैसा वसूल किया जाता था जिसकी रसीद नहीं दी जाती थी। वसूली का पैसा सरपंच सचिव मिलकर हजम कर गए लेकिन बिजली विभाग में विल जमा नहीं किया इसलिए बिल बढ़ते बढ़ते चार लाख रुपये हो गया। जिससे बिजली विभाग ने कनेक्शन काट दिया अब जब ग्राम पंचायत बिल जमा करें तब कनेक्शन जुडेगा वही ग्राम पंचायत सचिव के बारे में बताया गया कि ग्राम पंचायत के सचिव द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जाता वह परिवार सहित मथुरा वृंदावन की तीर्थ यात्रा पर गई हुई है यहां ध्यान देने वाला कोई नहीं ग्राम वासियों ने कलेक्टर से शीघ्र पेयजल सप्लाई शुरू कराई जाने की मांग की है ।

मुझे इस संबंध में जानकारी नहीं है सचिव ही बता सकती हैं कितना बिल बकाया है।

हीरालाल साकेत सरपंच ग्राम साखी

बिजली बिल बकाया है इस कारण से नल जल योजना बंद है बिजली बिल जमा कराकर शीघ्र वाटर सप्लाई शुरू कराया जाएगा

उदयभान सिंह पैंड्रो खंड पंचायत अधिकारी ब्यौहारी

एक हफ्ते से नल जल योजना बंद है हम लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते सप्लाई बंद होने के कारण बगल में बोर से पानी भरते हैं जिसका पानी तेलयुक्त और गंदा निकलता है गंदा पानी पीने के लिए गांव के लोग मजबूर हैं शीघ्र वाटर सप्लाई फिर से शुरू कराया जाए।

रामचन्द्र मिश्रा
ग्रामवासी।

जहां मन्नतें होती है पूरी

सरई के पेड़ में विराजी आस्था 200 साल पुराना दुर्पदा धाम

कोतमा क्षेत्र इन दिनों चैत्र नवरात्र की भक्ति में डूबा है, लेकिन इस आस्था के समंदर में एक ऐसा तट भी है जहां श्रद्धा चमत्कार बन जाती है। कोतमा से छह किलोमीटर दूर ऊरा ग्राम का दुर्पदा माता मंदिर आज भी लोगों की अटूट आस्था का केंद्र है। यहां सिर्फ पूजा नहीं होती, बल्कि मनोकामनाएं साकार होती हैं। सरई के वृक्ष से जुड़ी अद्भुत कथा और चमत्कारों ने इस मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए आस्था का जीवंत धाम बना दिया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के ग्राम पंचायत ऊरा का दुर्पदा माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और चमत्कारों का संगम है। लगभग 200 वर्ष पूर्व जब यह पूरा क्षेत्र घने जंगलों से घिरा था, तब छत्तीसगढ़ से आए गोंड जनजाति के लोगों ने यहां बसाहट की और इसी भूमि को अपनी श्रद्धा का केंद्र बनाया था। केवई नदी के किनारे बसे इस गांव में एक तेंदू के पेड़ के नीचे भगवान नरसिंह की प्राचीन प्रतिमा स्थापित थी, जो आज भी पूजित है। किंवदंतियों के अनुसार, एक नागा साधु ने अपनी आराध्य देवी दुर्पदा को सरई के वृक्ष के नीचे स्थापित किया और तभी से यह स्थान चमत्कारों का केंद्र बन गया, वर्षों पहले सूख चुके इस वृक्ष का पुनः हरा होना और तालाब का जल साफ हो जाना आज भी लोगों के लिए चमत्कार से कम नहीं है। नवरात्रि के दौरान यहां लगने वाला तीन दिवसीय मेला, दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु, और भंडारे की परंपरा इस मंदिर को एक जीवंत धार्मिक उत्सव में बदल देती है। यह स्थान केवल पूजा का केंद्र नहीं, बल्कि विश्वास का प्रमाण बन चुका है।

सरई के वृक्ष में बसती है माता की शक्ति

दुर्पदा माता मंदिर की सबसे अनोखी पहचान है सरई का वह वृक्ष, जिसे माता का प्रतीक माना जाता है। किंवदंती के अनुसार, जब यह वृक्ष सूखने लगा और ग्रामीण इसे काटने जा रहे थे, तब माता ने द्वारिका पनिका को स्वप्न में दर्शन देकर इसे बचाने का आदेश दिया। वर्षों बाद वही वृक्ष आधा सूखा और आधा हरा होकर आज भी चमत्कार का प्रमाण बना खड़ा है।ग्रामीण इस वृक्ष के नीचे त्रिशूल गाड़कर पूजा करते हैं और इसे माता का जीवंत स्वरूप मानते हैं। यह दृश्य न केवल आस्था जगाता है, बल्कि हर आने वाले को सोचने पर मजबूर कर देता है कि यहां कुछ दिव्य जरूर है।

जहां मन्नत मांगते ही पूरी होती है हर इच्छा

दुर्पदा धाम की सबसे बड़ी पहचान है यहां पूरी होने वाली मन्नतें जिसमें संतान प्राप्ति, विवाह, सुख-समृद्धि जैसे आस्था लोगो की है हर प्रकार की कामना लेकर श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और माता के दरबार से खाली नहीं लौटते है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जो भी सच्चे मन से अर्जी लगाता है, माता उसकी झोली भर देती हैं। यही कारण है कि यहां रोजाना श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। सोमवार को लगने वाली माता की सवारी और पंडा द्वारा किया जाने वाला चौरा इस आस्था को और गहरा बना देता है।

नवरात्रि में आस्था का मेला, जहां जुड़ते हैं रिश्ते

चैत्र नवरात्रि के दौरान दुर्पदा मंदिर में अष्टमी से शुरू होने वाला तीन दिवसीय मेला आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम होता है। यहां मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और उत्तर प्रदेश तक से लोग पहुंचते हैं। इस मेले की खास बात यह है कि यहां युवक-युवतियां एक-दूसरे को पसंद करते हैं और परिवार की सहमति से विवाह भी तय होते हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण पेश करती है। जवारा विसर्जन, अखंड ज्योति और भंडारे के साथ यह मेला एक जीवंत उत्सव बन जाता है।

आस्था से विकास तकः जनसहयोग से बना भव्य धाम

दुर्पदा माता मंदिर का वर्तमान स्वरूप जनसहयोग और आस्था की मिसाल है। थानेदार परिवार के राजेश सिंह छंगा और अमरेंद्र सिंह के प्रयासों से मंदिर निर्माण की शुरुआत हुई, जिसे ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने मिलकर पूर्ण किया है। आज यहां नियमित पूजा-पाठ, भंडारे और मेलों का आयोजन होता है। मंदिर की देखरेख रमेश पंडा द्वारा की जा रही है, जो वर्षों से इस परंपरा को निभा रहे हैं। यह मंदिर अब केवल गांव का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था का केंद्र बन चुका है जहां इतिहास, विश्वास और विकास एक साथ दिखाई देते हैं।

जमुना दादर के वनों में लगी भीषण आग पर पाया गया काबू

बजरंग दल एवं स्थानीय जनों की तत्परता से टली बड़ी अनहोनी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के समीप स्थित जमुना दादर के सघन वनों में सोमवार को अचानक आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई। लपटें धीरे-धीरे फैलते हुए वन क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने लगीं, जिससे पर्यावरण एवं वन्य जीवों के लिए गंभीर संकट खड़ा हो गया। सूचना मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण तत्काल सक्रिय हुए और सामूहिक प्रयासों से आग पर काबू पाने का सराहनीय कार्य किया।

उनकी सजगता एवं तत्परता के चलते एक बड़ी अनहोनी टल गई तथा आग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री अभिषेक पांडे, प्रखंड संयोजक बंटी थापा, बजरंग दल के सक्रिय कार्यकर्ता सुमित पनारिया, तामेश्वर अरमौर सहित अनेक स्थानीय नागरिक मौके पर उपस्थित रहे और आग बुझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वन क्षेत्र में आग लगने के पीछे असामाजिक तत्वों की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता। साथ ही, बीड़ी-सिगरेट पीने वालों की लापरवाही भी इस प्रकार की घटनाओं का एक प्रमुख कारण बन रही है। सूखी पत्तियों एवं तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैलती है, जिससे स्थिति और अधिक भयावह हो जाती है। स्थानीय जनों ने प्रशासन से मांग की है कि वन क्षेत्रों में निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। वनों की सुरक्षा केवल प्रशासन की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है इस भावना के साथ लोगों से अपील की गई है कि वे जंगलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और पर्यावरण संरक्षण में अपना सक्रिय योगदान दें।

तिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में अमरकंटक शक्तिपीठ में साधना शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित शक्तिपीठ में शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में साधना शिविर का शुभारंभ किया गया। आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य साधना, सेवा और संस्कार के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। शिविर के शुभारंभ के साथ ही परिसर में आरोग्य वाटिका की स्थापना भी की गई, जिसमें औषधीय एवं उपयोगी पौधों का रोपण कर प्राकृतिक चिकित्सा और स्वास्थ्य संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर शक्तिकुंज की टोली के नायक जयराम मोटलानी तथा अमरकंटक अप जोन के प्रभारी जेपी सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उनके नेतृत्व में स्वयंसेवकों द्वारा परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। शक्तिपीठ परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों द्वारा नियमित रूप से साफ-सफाई का कार्य भी किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में स्थापित की गई आरोग्य वाटिका के निर्माण और पौधरोपण कार्य में पर्यावरण प्रभारी लक्ष्मी अहिरवार का विशेष योगदान रहा। उनके प्रयासों से औषधीय एवं उपयोगी पौधों का रोपण कर वाटिका को विकसित किया गया, जिससे आने वाले समय में यह स्थान स्वास्थ्य संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का महत्वपूर्ण केंद्र बन सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित साधकों और स्वयंसेवकों को आध्यात्मिक साधना, अनुशासन और सेवा भाव के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही आरोग्य वाटिका के माध्यम से औषधीय पौधों के संरक्षण और प्राकृतिक उपचार पद्धतियों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। साधना शिविर में क्षेत्र के श्रद्धालु, साधक और स्वयंसेवक बड़ी संख्या में शामिल होकर आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। शिविर के माध्यम से लोगों को आत्मिक उन्नति, स्वास्थ्य संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों ने कहा कि साधना और सेवा का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे।

खांडा से सोन पार कर चिल्हारी पहुंचे तीन मेहमान

खेत बने दावत और गांवों में दहशत का साया

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में पिछले 91 दिनों से विचरण कर रहे तीन हाथियों का दल एक बार फिर अपनी दिशा बदलते हुए खांडा से सोन नदी पार कर चिल्हारी गांव पहुंच गया। रात के अंधेरे में चुपचाप रास्ते बदलते इन हाथियों ने कई गांवों में फसलों को नुकसान पहुंचाया और ग्रामीणों को सतर्क रहने पर मजबूर कर दिया। गश्ती दल और ग्रामीणों को चकमा देते हुए यह दल अब चिल्हारी के जंगल में विश्राम कर रहा है। जिले में हाथियों की दस्तक अब आम घटना नहीं रही, बल्कि यह एक सतत संकट का रूप ले चुकी है। बीते 91 दिनों से तीन हाथियों का दल लगातार गांव-गांव घूमते हुए जंगलों और बस्तियों के बीच अपना रास्ता बना रहा है। रविवार को खांडा के जंगल में दिनभर विश्राम करने के बाद यह दल रात के अंधेरे में खांडा, पोंडी और मानपुर होते हुए सोन नदी पार कर गया है। इस दौरान हाथियों ने कई गांवों में प्रवेश कर किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। कहीं गेहूं की फसल चट कर गए तो कहीं घरों में घुसकर महुआ खा गए। ग्रामीणों की रातें अब चौकसी में गुजर रही हैं, जबकि वन विभाग की टीम लगातार निगरानी में जुटी है। सोमवार सुबह ये हाथी चिल्हारी गांव के शकराई देवी के पास जंगल में पहुंचे, जहां फिलहाल विश्राम कर रहे हैं। हालांकि, इनकी अगली चाल क्या होगी, यह किसी को नहीं पता है यही अनिश्चितता ग्रामीणों के डर को और बढ़ा रही है।

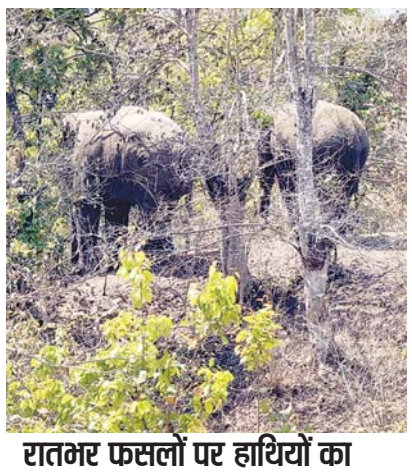

रातभर फसलों पर हाथियों का हमला

तीनों हाथियों ने अपने रास्ते में आने वाले कई गांवों में जमकर उत्पात मचाया। ग्राम पसला के चरतरिया टोला में एक घर की दीवार तोड़ने के बाद हाथियों ने भगतबांध और मेडियारास में किसानों की गेहूं की फसल को घंटों तक खाया है। मेडियारास में तो हाथियों ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर रखा महुआ भी निकालकर खा लिया। किसानों के लिए यह किसी आपदा से कम नहीं, क्योंकि उनकी महीनों की मेहनत एक रात में बर्बाद हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों का यह व्यवहार अब लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे खेती-किसानी पर सीधा असर पड़ रहा है।

गश्ती दल को चकमा, गांवों में दहशत का माहौल

हाथियों की सबसे बड़ी चुनौती उनकी चालाकी बन गई है। गश्ती दल और ग्रामीणों की मौजूदगी के बावजूद ये हाथी बार-बार रास्ता बदलकर सभी को चकमा देते रहे। रातभर वन विभाग की टीम और हाथी मित्र दल निगरानी में जुटे रहे, लेकिन हाथी सुनसान इलाकों और जंगलों के रास्ते से निकलते रहे। ग्रामीणों को लगातार सतर्क रहने के लिए मुनादी और अन्य माध्यमों से सूचना दी गई। कई गांवों में लोग रातभर जागते रहे और कच्चे घरों में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। इसके बावजूद डर का माहौल बना हुआ है।

जंगल से गांव तक लगातार बदल रही दिशा

तीनों हाथियों का यह दल पिछले 91 दिनों से अनूपपुर जिले में लगातार विचरण कर रहा है। सोनमौहरी, सेन्दुरी, खांडा, मानपुर और अब चिल्हारी है इनका रास्ता हर दिन बदल रहा है। खांडा से निकलकर यह दल सोन नदी पार कर कई गांवों में पहुंचा और अंततः चिल्हारी के जंगल में आकर रुका। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे लाइन भी पार की, जो उनके लंबे सफर को दर्शाता है। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लगातार इनकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं, लेकिन हाथियों की अनिश्चित दिशा और तेज मूवमेंट ने चुनौती बढ़ा दी है।

जिले के सभी ब्लॉकों में अनिवार्य रूप से कराएं पंप ऑपरेटरों की ट्रेनिंग-कलेक्टर

कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि जिले के समस्त ब्लॉकों में पंप ऑपरेटरों की ट्रेनिंग गंभीरता एवं तत्परता के साथ कराई जाए, ताकि गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से ऑपरेटरों को तकनीकी दक्षता प्रदान की जाए, जिससे हैंडपंप एवं नल-जल योजनाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर ने जनपद पंचायतों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। कलेक्टर हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों के आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि पात्र हितग्राहियों के लिए विशेष शिविर आयोजित कर अभियान के रूप में आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड निर्माण सुनिश्चित कर सभी पात्र नागरिकों को योजना का लाभ दिलाया जाए। बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि तालाब, कुएं एवं अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन कार्यों में तेजी लायी जाए। कलेक्टर ने गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य पूर्ण करने तथा जनसहभागिता के माध्यम से अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया। बैठक में कलेक्टर ने समयावधि पत्रों, सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं अन्य लंबित प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ किया जाए। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में तेजी लायी जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे जिले में विकास कार्यों को गति मिल सके। बैठक में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा सतीश वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आस्था, संकल्प और क्षेत्रीय विकास का संगम तरुण शर्मा की नर्मदा परिक्रमा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले के लिए यह गर्व और प्रेरणा का विषय है कि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी तरुण शर्मा द्वारा की गई नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए समर्पित एक संकल्प यात्रा के रूप में सामने आई है। नर्मदा नदी की परिक्रमा भारतीय संस्कृति और आस्था का एक महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक शुद्धि का माध्यम है, बल्कि आत्मचिंतन, समाज सेवा और लोकमंगल की भावना को भी मजबूत करती है। तरुण शर्मा ने इस कठिन और लंबी परिक्रमा को पूर्ण कर यह संदेश दिया है कि जनप्रतिनिधि केवल राजनीति तक सीमित न रहें, बल्कि समाज और संस्कृति से भी गहराई से जुड़े रहें। बताया जाता है कि इस परिक्रमा के दौरान उन्होंने अनूपपुर जिले की खुशहाली, विकास और क्षेत्रवासियों के कल्याण की कामना की। यह पहल दर्शाती है कि उनके मन में अपने क्षेत्र के प्रति गहरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव है। आज जब राजनीति अक्सर आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित हो जाती है, ऐसे समय में इस प्रकार की आध्यात्मिक और जनहितकारी पहल एक सकारात्मक संदेश देती है। यह न केवल समाज को जोड़ने का कार्य करती है, बल्कि जनप्रतिनिधियों के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत करती है। तरुण शर्मा की यह नर्मदा परिक्रमा क्षेत्र के युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती है, जो उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ने और समाज के लिए कुछ करने की दिशा में प्रेरित करेगी। अंततः यह कहा जा सकता है कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अनूपपुर जिले के विकास, शांति और समृद्धि के लिए किया गया एक सशक्त संकल्प है। अब देखना यह होगा कि इस आध्यात्मिक ऊर्जा को वे क्षेत्रीय विकास के ठोस कार्यों में किस प्रकार परिवर्तित करते हैं।

एनआईटीटीटीआर अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर आए प्रशिक्षणार्थी

हरिभूमि न्यूज राजनगर। शासकीय महाविद्यालय राजनगर में समाजशास्त्र विभाग में कार्यरत डॉक्टर पूनम वैश्य को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल द्वारा एनआईटीटीटीआर एक्सटेंशन सेंटर अहमदाबाद गुजरात में आयोजित पांच दिवसीय उद्यमिता और स्टार्टअप विषय पर प्रशिक्षण 16 से 20 मार्च के मध्य प्राप्त किया गया। उद्यमिता के क्षेत्र में यह प्रशिक्षण स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर को दिया गया नई शिक्षा नीति में स्किल के विकास पर जोर दिया जा रहा है। एनआईपी के क्रियान्वयन का मूल उद्देश्य है। युवाओं को रोजगार मूलक बनाना है। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण को प्राप्त करने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील भोंसले, लाइब्रेरियन डॉक्टर अनुसूया प्रसाद रजक, स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉक्टर आनंद कुमार मिश्रा, डॉक्टर बी.एल. सिंह, मनोज जायसवाल, दिग्विजय पाटिल एवं समस्त स्टाफ एवं परिवार जनों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

अनूपपुर जिले के प्रवास पर पहुंचे भाजपा नेता जितेंद्र लिटोरिया, कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कार्यकर्ताओं के दुख और सुख की घड़ी में सदैव खड़े रहने वाले ऐसे मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी कार्यालय के व्यवस्था प्रमुख एवं पूर्व संभाग के संगठन मंत्री जितेंद्र लिटोरिया 22 मार्च को अनूपपुर जिले के प्रवास पर पहुंचे जहां पर उन्होंने सर्वप्रथम कोतमा लामा टोला निवासी भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री अखिलेश द्विवेदी के पिता श्री के निधन पर उनके निवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की इसके पश्चात वह बिजुरी नगर के मंडल के कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात की इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं मंडल अध्यक्ष रिंकू शर्मा उनके साथ मौजूद रहे। श्री लिटोरिया प्रवास के दौरान नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह के निवास पर पहुंचे जहां पर उन्होंने मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू और उनकी नव नियुक्त टीम से मुलाकात कर पदाधिकारी को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान मंडल पसान के कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम, जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह तथा अनूपपुर मंडल के भाजपा नेता राजा तिवारी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात कर श्री लिटोरिया अमरकंटक एक्सप्रेस से भोपाल के लिए रवाना हुए।